प्रेस विज्ञप्ति

आज दिनांक 11/04/2017 को आदरणीय श्री ज्योतिबा फूले की जन्मतिथि के उपलक्ष्य में अम्बेडकर चेयर के तत्वाधान में चतुर्थ दिवसीय कार्यक्रम का शुभारंभ 'सम्बोधि सभागार' सामाजिक विज्ञान संकाय में किया गया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. रीता सिंह (अध्यक्ष) , प्रो. मंजीत चतुर्वेदी (संकाय प्रमुख) तथा मुख्य वक़्ता प्रो. मधु कुशवाहा जी उपस्थित थी। कार्यक्रम संयोजक के रूप में डॉ. स्वपना मीना एंव डॉ. अरुणा कुमारी तथा समाजशास्त्र विभाग के प्रो. अरविंद कुमार जोशी (एच. ओ.डी.), प्रो. जयकांत तिवारी, प्रो. आनन्द प्रताप सिंह , प्रो. आर. एन. त्रिपाठी , प्रो. सी.डी. अधिकारी , अवध किशोर पाण्डेय, प्रो. अशोक कौल, प्रो. अजीत पाण्डेय, प्रो. जे.एन. सिंह, डॉ. दिनेश कुमार सिंह ,डॉ. वी. के. लहरी आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अरुणा कुमारी ने किया।

कार्यक्रम की मुख्य वक़्ता प्रो. मधु कुशवाहा ने अपने सुविचारो को अभिव्यक्त करते हुए बताया कि सौभाग्य व गर्व की बात है कि ज्योतिबा फूले जी का जन्म हमारे देश की धरती में हुआ, जिन्होंने महत्वपूर्ण सामाजिक सुधार किए , फूले जी को सबसे ज्यादा सहयोग अपनी पत्नी से मिला। उनके समय मे परिवर्तन के मुद्दे व समस्याये अलग थी और वर्तमान में मुद्दे अलग है। ज्योतिबा फूले जी न केवल ईश्वर के समक्ष समानता की बात करते हैं बल्कि लौकिक संसार में भी सभी लोग समान है। इसी बात को भी समाज के समक्ष रखा है। पारस्परिक सामाजिक नैतिकता में भी कुछ ऐसी बाते है जोकि सामाजिक , संवैधानिक नैतिकता के विरुद्ध थी।

सामाजिक विज्ञान संकाय के प्रमुख प्रो. मंजीत चतुर्वेदी ने बताया कि परिवर्तन की दिशा, लक्ष्य व समयावधि के अंत मे सामाजिक संरचना , सामाजिक वास्तविकता को बताती है तथा समाज के दर्द को भी प्रदर्शित करती है। अतः समाज मे जो परिवर्तन हुए है वो पूर्णरूप से नही हुए है। देश के 21 विश्वविद्यालय में अम्बेडकर चेयर की स्थापना हुयी है।

कार्यक्रम का सम्बोधन करते हुए प्रो. रीता सिंह जी ने ज्योतिबा फूलेे जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि समाज परिवर्तन की यात्रा में संविधान के द्वारा हम केवल हृदय परिवर्तन नही कर सकते है। इसके लिए समाज में जागरूकता विचार गोष्ठियों के आयोजन की आवश्यकता है। पहले स्त्री और दलितों की शिक्षा न के बराबर थी परंतु निरंतर प्रयशो के फलस्वरूप इसमें वृद्धि हुयी है।

कार्यालय का समापन और अतिथियो का धन्यवाद ज्ञापन प्रो. जयकांत तिवारी ने किया।

''समाज परिवर्तन की यात्रा''

''समाज परिवर्तन की यात्रा''

"समाज परिवर्तन की यात्रा"

"समाज परिवर्तन की यात्रा"
"ज्योतिबा फुले, सावित्री बाई, बाबा साहेब डा. अम्बेडकर"

"समाज परिवर्तन की यात्रा"